

श्री श्री श्री की गाथा

- अपचित्त मन्त्राणां ।
शुद्धे वाग्ये चाने देवो गोः समः एव ।
कोशः श्री हातः परः कृतः । कोशः पातः नाः एव ।
पाली पौषे मे पासी हातः एव ।
पौसी पौकी परः कृतः कः पातः कः एव ।

अनुच्छेद पढ़कर भरी पित्तान करो -

'क'	'ख'
क) पोर	माना
ख) कोयल	कसरत
ग) पाली	नाब
घ) मौसी	पौधा

2. चित्रों के सही नाम लिखकर चित्र वर्णन करें।

मौसी आई, मौसी आई साथ में  कूचड़ी लाई।

गौरव  तैकरी में फल लाया।

गौरी ने गमले में पौधा लगाया।

 तोसा शोर मचाने लगा।

3. प्रश्नों के उत्तर दो।

क) कौन नाचने लगा ?

उ - शोर नाचने लगा ।

ख) मौसी रौनक के लिए क्या लाई ?

उ - मौसी रौनक के लिए खिलौना लाई ।

ग) कौन बोल रहे थे ?

उ - दो लोहा बोल रहे थे ।

घ) भोजन को कैसे खाना चाहिए ?

उ - भोजन को चबकर खाना चाहिए ।

4. समानलय वाले शब्द लिखें।

क) मौका - चौका

ख) छोटा - मोटा

ग) मोर - शोर

घ) कचौड़ी - पकौड़ी

5. सही वर्तनी पर घेरा लगाओ।

क) खिलौना, खिलोना

ख) लौमड़ी, लोमड़ी

ग) कोयल, कौयल

घ) चांकीदार, चौकीदार